

VAC 1: भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य**Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course |
|-----------------------------------|---------|-----------------------------------|----------|---------------------|--------------------------------|-----------------------------|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य | 02 | 1 | 0 | 1 | Pass in Class 12 th | NIL |

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बन सकेंगे।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिल

भारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।

- प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

SYLLABUS OF परंपरा और मानव मूल्य

UNIT – I भारतीय भक्ति परंपरा

(5 Weeks)

- भक्ति : अर्थ और अवधारणा
- भक्ति के विभिन्न संप्रदाय और सिद्धांत
- भारत की सांस्कृतिक एकता और भक्ति
- भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप

UNIT – II भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके विचार

(5 Weeks)

संतति रुक्मिणी, आण्डाल, अक्कमहादेवी, ललदयद, मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, गुरु नानक, सूरदास, जायसी, तुकाराम, नामदेव, नरसिंह मेहता, वेमना, कंचन, नम्बियार, चैतन्य महाप्रभु, चंडीदास, सारला दास, शंकरदेव

UNIT – III मानव मूल्य और भक्ति

(5 Weeks)

मानव मूल्य का अर्थ

चयनित भक्त कवियों की जीवन मूल्यपरक कविताएँ

Practical component (if any) –

(15 Weeks)

- पाठ्यक्रम में उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि की रचनाओं में विभिन्न मानव मूल्यों के आधार पर प्रोजेक्ट
- वर्तमान समय में भक्ति की प्रासंगिकता को समझना; सर्वे और साक्षात्कार पद्धति के आधार पर.
- जीवन में मानव मूल्यों के प्रति पालन पर सर्वे और साक्षात्कार के आधार पर एक रिपोर्ट बनाना.

- उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि से संबंधित किसी मठ, आश्रम या मंदिर आदि, अथवा कोई फिल्म/ डॉक्यूमेंट्री के आधार पर रिपोर्ट बनाना.
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/recommended readings

- 'भक्ति का उद्भव और विकास तथा वैष्णव भक्ति के विविधरूप, भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक- डॉ नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पृष्ठ संख्या 215-250
- कुछ प्रमुख कवियों के चयनित पद
- 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य', शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
- 'मानव मूल्य और साहित्य, डॉ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1999

Suggested readings

- 'भक्ति के आयाम', डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- 'हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 'मध्यकालीन हिंदी काव्य का स्त्री पक्ष', डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
- 'मध्यकालीन हिंदी भक्ति काव्य: पुनर्मूल्यांकन के आयाम', डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time